भारत – लिकटेंस्टीन संबंध

भारत और प्रिंसिपलिटी ऑफ लिकटेंस्टीन ने 1993 में राजनयिक संबंधों की स्थापना की। बर्ने में निवास के साथ स्विटजरलैंड में भारत के राजदूत को प्रिंसिपलिटी आफ लिकटेंस्टीन के लिए भारत के राजदूत के रूप में जिम्मेदारी सौंपी जाती है। आकार की दृष्टि से छोटा होने के बावजूद संयुक्त राष्ट्र एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों तथा यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र तथा ई एफ टी ए (स्विटजरलैंड, नार्वे एवं आइसलैंड) में अपनी सदस्यता की वजह से लिकटेंस्टीन का महत्व हैं।

उच्च स्तरीय यात्राएं

दोनों पक्षों की ओर से सबसे पहली उच्चस्तरीय आधिकारिक यात्रा के रूप में, भारत के माननीय उप राष्ट्रपति के निमंत्रण पर लिकटेंस्टीन के महामहिम वंशानुगत प्रिंस अलोइस ने अपनी पत्नी महारानी प्रिंसेस सोफी एवं 11 सदस्यीय एक आधिकारिक शिष्टमंडल तथा 10 सदस्यीय एक कारोबारी शिष्टमंडल के साथ 14 से 20 नवंबर 2010 के दौरान भारत का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान प्रिंस अलोइस ने राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटील, उप राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी, वित्त मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी, यू पी ए अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी, प्रतिपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज तथा विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर से मुलाकात की। इस शिष्टमंडल ने दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर का दौरा किया। प्रिंस हंस ऐडम द्वितीय एक निजी दौरे पर कुछ साल पहले भारत का दौरा कर चुके हैं। प्रिंस एलॉइस प्रिंस हंस ऐडम द्वितीय के साथ पुन: मैसर्स सवन्नाह सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव के साथ विभिन्न कारोबारी बैठकों के सिलसिले में 13 से 19 अक्टूबर 2013 के दौरान भारत का एक निजी दौरा किया।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार का ब्यौरा बहुत कम है। वाणिज्य विभाग, भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से जुलाई 2015-16 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 0.33 मिलियन अमरीकी डालर था। भारत का निर्यात 0.08 मिलियन अमरीकी डालर था, जबकि आयात 0.25 मिलियन अमरीकी डालर था। वर्ष 2014-15 के दौरान कुल द्विपक्षीय व्यापार 1.36 मिलियन अमरीकी डालर (भारत का निर्यात 0.19 मिलियन अमरीकी डालर और आयात 1.17 मिलियन अमरीकी डालर) था। पिछले चार वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े निम्नलिखित हैं :

(मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
भारत का निर्यात	0.16	0.14	0.27	0.32	0.19
भारत का आयात	0.22	0.64	0.85	0.47	1.17
कुल व्यापार	0.38	0.78	1.12	0.79	1.36

भारत की ओर निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में मेटल अलॉय उससे बनी वस्तुएं, पत्थर, मशीन टूल्स, यांत्रिक सील, बासमती चावल, पेट्रोलियम उत्पाद आदि शामिल हैं। भारत की ओर आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में यांत्रिक उपकरण एवं उनके पुर्जे, विद्युत मशीनरी एवं उपकरण, डाई पिगमेंट एवं रंगरोगन की अन्य सामग्रियां, ग्लास एवं ग्लासवेयर, मेडिकल, सर्जिकल एवं अन्य प्रीसीजन इंस्ट्रूमेंट तथा अल्युमीनियम एवं अन्य बेस मेटल से बनी वस्तुएं शामिल हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2000 से जून 2015 तक लिकटेंस्टीन से एफ डी आई अंत:प्रवाह 9.5 मिलियन अमरीकी डालर है। लिकटेंस्टीन की अनेक कंपनियों जैसे कि एल जी टी ग्रुप, हिल्टी, इवोक्लैर और यूमीकोर मटेरियल्स ए जी की भारत में उपस्थिति है।

एल जी टी ग्रुप विश्व में सबसे बड़ा निजी बैंकिंग एवं परिसंपत्ति प्रबंधन ग्रुप है जिसका स्वामित्व पूर्णत: लिकटेंस्टीन के शाही परिवार के हाथों में है तथा जून 2015 के अंत में प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियों का मूल्य 125.7 सी एच एफ बिलियन था। सावन्नाह सीड्स प्राइवेट लिमिटेड एल जी टी ग्रुप की भारतीय सहायक कंपनी है जिसका मुख्यालय गुड़गांव में है। अक्टूबर 2010 में निगमित सावन्नाह सीड्स प्राइवेट लिमिटेड एक प्रमुख प्रौद्योगिकी आधारित चावल कंपनी है जो अधिक उपज एवं मूल्य वृद्धि के गुणों वाले हाइब्रिड चावल के विकास पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। एल जी टी वेंचर फिलांथ्रोपी (एल जी टी वी पी) एल जी टी ग्रुप का फिलांथ्रोपिक इंवेस्टर आर्म है। एल जी टी वीपी ने भारत में कम से कम 7 संगठनों / सामाजिक उद्यमों को वित्त पोषित किया है। वित्त पोषण के तहत अनुदान एवं ऋण के अलावा इक्विटी निवेश शामिल है। ये हैं – मुंबई आधारित चैरिटेबल ट्रस्ट अनगन ट्रस्ट भारत में सरकार द्वारा संचालित बाल गृहों की स्थिति सुधारने के लिए काम करता है; पुणे आधारित सामाजिक उद्यम ड्रिपटेक अपनी नवाचारी एवं लागत प्रभावी ड्रिप सिंचाई प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसानों की मदद करता है; मुंबई आधारित चैरिटेबल ट्रस्ट एजुकेट गर्ल्स लड़कियों की शिक्षा सुधारने के लिए काम करता है; दिल्ली आधारित सामाजिक उद्यम ग्रीन ऑयल मिशन जटरोफा के रोपण के माध्यम से बंजर भूमि का विकास करता है तथा जैविक अपशिष्ट को नवीकरणीय ऊर्जा एवं प्राकृतिक उर्वरक में परिवर्तित करता है; पटना आधारित सामाजिक उद्यम हस्क पावर सिस्टम्स चावल की बेकार भूसी से गैसीफायर आधारित लघु विद्युत वितरण प्रणाली चलाता है तथा गांवों को ऑफ ग्रिड बिजली प्रदान करता है; पुणे आधारित सामाजिक उद्यम मान देशी मिशन शिक्षा एवं सूक्ष्म वित्त के माध्यम से संपोषणीय जीविका प्राप्त करने के लिए ग्रामीण गरीब महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम करता है; और ऑपरेशन आशा एक पंजीकृत एन जी ओ है जो भारत में टीबी के मरीजों के उपचार के लिए सक्रिय है। निर्माण उद्योग के लिए उपकरण एवं औजार बनाने वाली कंपनी मैसर्स एच आई एल टी आई कारपोरेशन का भारत सहित पूरी दुनिया के लगभग 120 देशों में प्रतिनिधित्व है। हिल्टी मैनुफैक्चरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड गुजरात में आधारित हिल्टी की एक सहायक कंपनी है जो प्रिंसिपलिटी ऑफ लिकटेंस्टीन में स्चान स्थित मुख्यालय वाले भुखानवाला डायमंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड का 2008 में अधिग्रहण करके डायमंड टूल्स एवं कटिंग डिस्क का उत्पादन करता है; 2014 में हिल्टी की बिक्री 4.5 बिलियन स्विस फ्रैंक थी तथा इसने पूरी दुनिया में 22,000 लोगों को रोजगार दिया है। इवोक्लार विवाडेंट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड इवोक्लार विवाडेंट ए जी की स्चान, लिकटेंस्टीन आधारित पूर्णत: स्वामित्व वाली कंपनी है जो डेंटल क्षेत्र में नवाचारी उत्पादों एवं प्रणालियों की एक व्यापक रेंज प्रदान करती है। 2014 में इवोक्लार विवाडेंट ग्रुप का समग्र बिक्री राजस्व 761 मिलियन स्विस फ्रैंक था। यूमिकोर एक विश्वव्यापी सामग्री प्रौद्योगिकी एवं रिसाइक्लिंग ग्रुप है जिसके 38 देशों में 14,000 से अधिक कर्मचारी हैं तथा इसका टर्नओवर 8.8 बिलियन यूरो है। यूमिकोर आटोकैट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड; यूमिकोर आनंदेया इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और यूमिकोर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इसकी भारतीय सहायक कंपनियां हैं।

लिकेस्टीन ई एफ टी ए के चार सदस्यों में से एक है, जो एक ऐसा समूह है जिसके साथ भारत ने भारत - ई एफ टी ए द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश करार (टी आई ए) के लिए वार्ता शुरू की है। वाणिज्य मंत्रालय में अपर सचिव श्री राजीव खेर के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने भारत - ई एफ टी ए बी टी आई ए वार्ता की मुख्य वार्ताकार बैठक में शामिल होने के लिए 23 से 24 जनवरी 2012 के दौरान वैदुज, लिकेस्टीन का दौरा किया।

28 मार्च, 2013 को भारत और लिकेस्टीन ने वर्ने में कर सूचना विनिमय करार (टी आई ई ए) पर हस्ताक्षर किया। दोनों पक्षों द्वारा पुष्टि के बाद यह करार 20 जनवरी, 2014 से लागू हो गया है। भारत एल जी टी बैंक में भारतीयों द्वारा जमा कराए गए कथित काले धन के मामलों की जांच कर रहा है। जर्मनी से 2008 में भारत द्वारा 26 नामों से युक्त एल जी टी सूची प्राप्त की गई। सरकार ने 18 भारतीयों के नामों को सार्वजनिक किया है जिनके विरूद्ध कार्यवाही शुरू की गई है।

इंडिया क्लब लिकेस्टीन ने बर्न स्थित भारतीय दूतावास, आई सी सी आर, लिकेस्टीन सरकार तथा अन्य स्थानीय संस्थाओं की सहायता से 24 से 28 मार्च 2015 के दौरान वाडुज़ तथा इसके बाहरी भाग में भारत महोत्सव का आयोजन किया। इस महोत्सव के अंग के रूप में एक कला प्रदर्शनी एवं कार्यशाला, पर्यटन एवं संस्कृति पर सेमिनार, योग की कक्षाओं, मेक इन इंडिया पर व्यवसाय गोलमेज तथा एक कथक डांस शो का आयोजन किया गया। 24 मार्च 2015 को महोत्सव का उद्घाटन लिकेस्टीन के संस्कृति मंत्रालय में सचिव श्री कर्स्टिन एप्पल के साथ राजदूत द्वारा किया गया। आई सी सी आर ने पुणे आधारित नृत्य भारती अकादमी से श्रीमती अरूणा केलकर के नेतृत्व में एक 10 सदस्यीय कथक नृत्य मंडली को

प्रायोजित किया था जिसने 27 और 28 मार्च 2015 को ट्रिसेन (लिकेस्टीन) में एक शो एवं कथक कार्यशाला का आयोजन किया। कथक शो में लिकेस्टीन की विदेश, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं संस्कृति मंत्री डा. (श्रीमती) औरेलिया फ्रिक भी उपस्थित हुईं। लिकेस्टीन की मंत्री योग की कक्षाओं में भी उपस्थित हुईं। सभी शो / कार्यक्रमों में काफी लोगों ने भाग लिया तथा इनकी खूब सराहना की गई। आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक मंडली द्वारा 9 जून 2011 को प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम की भरपूर सराहना की गई। 16 नवंबर 2011 को वादूज में पहली बार माननीय विदेश एवं संस्कृति मंत्री श्रीमती औरेलिया फ्रिक ने पहली बार भारतीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन किया। इस महोत्सव में एक सप्ताह तक भारत की लोकप्रिय फिल्मों को दिखाया गया।

संस्कृति केंद्र, गैसोमीटर, लिकेस्टीन में पूरे जोश एवं उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आई डी वाई) मनाया गया जिसमें लगभग 30 लोगों ने भाग लिया। प्रिंट एवं विजुअल मीडिया ने अपनी नियमित न्यूज बु लेटिनों में इस कार्यक्रम को कवर किया।

उपयोगी संसाधन :

लिकेस्टीन सरकार की वेबसाइट :
http://www.regierung.li/en/home/
लिकेस्टीन पर सूचना :
http://www.liechtenstein.li/en
लिकेस्टीन पर देश आधारित तथ्य :
http://www.countryfacts.com/liechtenstein/government/
लिकेस्टीन पर्यटन :
http://www.tourismus.li/de

* * *

जनवरी, 2016